''वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का अंत''

"Ending Plastic Pollution Globally"

दिनांकः 05 जून, 2025 : विश्व पर्यावरण दिवस

कार्यक्रम प्रतिवेदन

आयोजक

विज्ञान विद्याशाखा

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संयुक्ततत्वावधान

कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

''वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का अंत''
"Ending Plastic Pollution Globally"

पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम

05 जून, 2025

अध्यक्ष

आचार्य सत्यकाम
माननीय कुलपति, उ0 प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

समन्वयक

प्रो. आशुतोष गुप्ता
निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

संयोजक

प्रो. श्रुति
प्रभारी–निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
एवं
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव

डॉ. धर्मवीर सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा

सह आयोजन सचिव

डॉ. प्रमोद कुमार सिंह, सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम
05 जून 2025

अध्यक्ष
आचार्य सत्यकाम
माननीय कुलपति, उ0प्र0राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

समन्वयक
प्रो0 आशुतोष गुप्ता
निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा

संयोजक
प्रो. श्रुति,
प्रभारी निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा
एवं
प्रभारी, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

आयोजन सचिव
डॉ. धर्मवीर सिंह
सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
एवं सदस्य
महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

सह–आयोजन सचिव
डॉ. प्रमोद कुमार सिंह
सहायक आचार्य, कृषि विज्ञान विद्याशाखा

आयोजन समिति

प्रो. अजेन्द्र कुमार मलिक, विज्ञान विद्याशाखा
प्रो. जय प्रकाश यादव, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. मनोज कुमार बलवन्त, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. सी.के. सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. दिनेश कुमार गुप्ता, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. राघवेन्द्र सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. गोपाल कृष्ण सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. चन्द्रेश्वर प्रसाद यादव, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. अनुराधा सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. साधना सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. अनुज कुमार सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा
डॉ. दीपा चौबे, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा एवं सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. दीपमाला गुप्ता, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा एवं सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र
डॉ. आर.पी. सिंह, सहायक आचार्य, विज्ञान विद्याशाखा एवं सदस्य, महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र

कार्यक्रम सहयोगी सदस्य

श्री वीरेन्द्र वर्मा, श्री अंकित मिश्रा, श्री ओमबाबू शर्मा, श्री मनीष यादवए श्री संतोष कुमार व श्री हिमांशु यादव

अनुक्रमणिका

1. प्रतिवेदन

1. समाचार पत्रों की सुर्खियाँ (परिशिष्ट–1)

2. मुक्त चिंतन (परिशिष्ट–2)

3. उपस्थिति पत्रक (परिशिष्ट–3)

4. निर्गत सूचना पत्र (परिशिष्ट–4)

5. कार्यक्रम की झलकियाँ (परिशिष्ट–5)

''वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का अंत''
"Ending Plastic Pollution Globally"

कार्यक्रम प्रतिवेदन

पत्रांक ओ0यू0 / 412 / 2025 दिनांक 04 / 06 / 2025 के अनुपालन में विश्व पर्यावरण दिवस के वैश्विक थीम "Ending Plastic Pollution Globally" कार्यक्रम दिनांक 05 जून, 2025 को आयोजित किया गया। उपरोक्त पत्रांक के माध्यम से कार्यक्रम ''वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण अंत'' का आयोजन विज्ञान विद्याशाखा एवं कृषि विज्ञान विद्याशाखा के संयुक्त तत्वावधान में किया गया जिसमें महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र के सभी सदस्यों ने सक्रिय रुप से प्रतिभाग किया।

प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति आचार्य सत्यकाम जी की प्रेरणा से वैश्विक पर्यावरण दिवस पर विश्वविद्यालय में पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की थीम ''वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण अंत'' रही।

कार्यक्रम के समन्वयक प्रो0 आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा ने कार्यक्रम को सुचारु एवं सुसंगठित रुप से आयोजित करने हेतु विद्याशाखा एवं आयोजन समिति में कार्यरत लोगो को प्रेरित किया।

पर्यावरण जागरुकता कार्यक्रम को वृहद रुप से आयोजित करने हेतु विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कार्यक्रम में की जाने वाली गतिविधियों से सभी को अवगत कराते हुए बताया कि इसके अन्तर्गत वृक्षारोपण, जागरुकता रैली (प्रशासनिक भवन से शैक्षणिक भवन तक), पक्षियों एवं जीव जन्तु हेतु दाना–पानी एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जायेगा। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक, कर्मचारीगण एवं शोधार्थी प्रतिभाग करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा ने की। उन्होनें विश्व पर्यावरण के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि प्रथम विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 1973 को ''केवल एक पृथ्वी'' थीम के साथ मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव पर्यावरण पर स्टॉक होम सम्मेलन के दौरान 05 जून 1972 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया था। जिसके बाद से यह प्रतिवर्ष 05 जून को मनाया जाता है। भारत में सन् 1980 में देश में स्वस्थ्य पर्यावरण के विकास के लिए पर्यावरण विभाग की स्थापना की गयी तथा देश में पर्यावरण के सुरक्षा एवं सुधार हेतु 'पर्यावरण सरंक्षण अधिनियम' 1986 में बनाया गया। विश्व में पर्यावरण विज्ञान के जनक अलेक्जेंडर वॉन हम्बोल्ट को माना जाता है। उन्होनें 18वीं शताब्दी में अपने शोध एवं लेखन से आधुनिक पर्यावरण विज्ञान की नींव रखी थी। जब कि भारत में पर्यावरण विज्ञान के जनक प्रो0 रामदेव मिश्र हैं जो एक पर्यावरणविद् एवं वनस्पतिशास्त्री थे।

कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी निदेशक कृषि विज्ञान एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। पर्यावरण संरक्षण पर हमें विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि प्लास्टिक को अपने दैनिक जीवन से सदा के लिए अलविदा कर देना चाहिये। प्लास्टिक मृदा, जल एवं वायु के लिए हानिकारक है जो प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से हमारे जीवन को प्रभावित करता है। उन्होनें बताया कि पर्यावरण के चार प्रमुख अंग होते हैं– वायु, जल, स्थल एवं जीव मण्डल। प्रो0 श्रुति ने बताया कि पर्यावरण रक्षा के तीन प्रमुख

उपाय हैं– 3R (Reduce, Reuse, Recycle), जैव विविधता संरक्षण तथा अक्षय ऊर्जा (सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा) (Renewable Energy) का उपयोग।

कार्यक्रम के आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें। आयोजन सचिव ने इस वर्ष की थीम के महत्व के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि प्लास्टिक प्रदूषण पृथ्वी को घातक प्रभावों, जलवायु परिवर्तन के संकट, प्रकृति एवं जैव विविधता का नुकसान तथा प्रदूषण एवं प्लास्टिक कचरे के संकट को बढ़ावा देता है। वैश्विक स्तर पर अनुमान है कि लगभग हर साल 11 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा जलीय पारिस्थितकीय तंत्र में मिलता है जब कि कृषि उत्पादों में प्लास्टिक के उपयोग के कारण सीवेज एवं लैण्ड फिल से मिट्टी में माइक्रो प्लास्टिक जमा हो जाता है। प्लास्टिक प्रदूषण की वार्षिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय लागत 300 से 600 अमेरेकी डालर के करीब है। इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस ऐसे समय मनाया जा रहा है जब सभी देश समुद्री पर्यावरण सहित प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक वैश्विक संधि हासिल करने के लिए प्रगति कर रहे हैं।

कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि पिछले 05 वर्षों से विश्व पर्यावरण दिवस की थीम विभिन्न प्रकार के प्रदूषण पर आधारित है जैसे कि वर्ष 2019 की थीम ''वायु प्रदूषण को समाप्त करना'' वर्ष 2020 की थीम, ''Biodiversity – Time for Nature'', वर्ष 2021 की थीम ''Ecosystem Restoration'', वर्ष 2022 की थीम ''Our Planet Our Future'', वर्ष

2023 की थीम ''Solution to Pollution'', वर्ष 2024 की थीम ''Land Restoration Desertification, and Drought Resilience'' रही है।

कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यलय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, मानविकी विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 सत्यपाल तिवारी, शिक्षा विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 पी0के0 स्टालिन, समाज विज्ञान विद्याशाखा के निदेशक प्रो0 संतोषा कुमार, कृषि विज्ञान विद्याशाखा के प्रभारी निदेशक एवं महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र की प्रभारी प्रो0 श्रुति एवं मानविकी, शिक्षा, समाज, विज्ञान, कृषि विज्ञान विद्याशाखा के समस्त प्राध्यापकगण एवं विश्वविद्यलाय कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने ''प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ'', अपना परिसर साफ हो जिसमें सबका साथ हो' जैसे स्लोगन के साथ रैली में प्रतिभाग किया।

पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह–जगह पात्रों में ंदाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी, जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत उपलब्ध करायी जा सके।

रैली में उपस्थित सदस्यों ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और साफ–सफाई की। सदस्यों ने परिसर में पेड़–पौधों से गिरी हुई पत्तियों को साफ किया तथा आंधियों से उड़कर परिसर में आयी हुई प्लास्टिक आदि की थैलियों को उठाकर कूड़ेदान में डाला ।

इस अवसर पर सभी ने शपथ ली की हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस–पास भी साफ–सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे।

अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने उपस्थित सभी प्रतिभागियों एवं विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों के प्रति धन्यवाद् ज्ञापित किया। साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में प्रकृति एवं मनुष्य के पवित्र सम्बन्ध को ''माता भूमि : पुत्रोऽहं पृथ्व्याः'' जैसे श्लोकों में अंकित किया गया है। ये वैदिक दर्शन हमें प्रकृति के प्रति सेवा एवं सरंक्षण की भावना सीखाता है न कि शोषण की । विज्ञान के परिपेक्ष्य में आधुनिक पारिस्थितिकी विज्ञान (इकोलॉजी) भी इस सत्य की पुष्टि करता है।

समाचार की सुर्खियां

राष्ट्रीय एकता के प्रति समर्पित
यूनाइटेड भारत
हिन्दी दैनिक
सिर्फ सच के साथ
शुक्रवार, 06 जून, प्रयागराज, वर्ष: 25, अंक: 147, पेज: 12, मूल्य: 3.00 रूपए

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

यूनाइटेड भारत

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यलय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रोफेसर श्रुति, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ, अपना परिसर साफ हो, जिसमें सबका साथ हो' आदि स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सभी ने शपथ ली कि हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस-पास भी साफ-सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह-जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी, जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत उपलब्ध करायी जा सके। रैली में उपस्थित सदस्यों ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और साफ-सफाई की। सदस्यों ने परिसर में पेड़-पौधों से गिरी हुई पत्तियों को साफ किया तथा आंधियों से उड़कर परिसर मे आयी हुई प्लास्टिक आदि की थैलियों को उठाकर कूड़ेदान में डाला।

वर्ष : 31 | अंक :213
प्रतापगढ़ | शुक्रवार, 6 जून 2025
पृष्ठ : 8 | मूल्य : 3 रुपये
दैनिक लोकमित्र सच्चाई की जंग
संस्थापक : श्रद्धेय स्व. रामनिरंजन भगवन
प्रतिदिन की खबरों के लिए देखें www.dailylokmitra.com

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई।

पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रोफेसर श्रुति, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने ''प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ'', अपना परिसर साफ हो, जिसमें सबका साथ हो' आदि स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह-जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी।

● वर्ष : 18
● अंक : 123
● प्रातः कालीन संस्करण
● लखनऊ
● शुक्रवार, 06 जून 2025
● पृष्ठ : 08
● मूल्य : 3 रुपए
www.tijaratnews.com
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तिजारत

पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

प्रयागराज। राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यलय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रो एस कुमार, प्रो सत्यपाल तिवारी, प्रो पी के स्टालिन, प्रो श्रुति, समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने ''प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ'', अपना परिसर साफ हो, जिसमें सबका साथ हो' आदि स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सभी ने शपथ ली कि हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस-पास भी साफ-सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे। कार्यक्रम संयोजक प्रो श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस अवसर पर कुलपति प्रो सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह-जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी, जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत दिलाई जा सके।

अनुराग दर्शन
www.anuragdarshan.com

मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

प्रयागराज (अनुराग दर्शन समाचार)। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर एस कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रोफेसर श्रुति, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने ''प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ'', अपना परिसर साफ हो, जिसमें सबका साथ हो' आदि स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया। कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया। जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह-जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी।

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लक्ष्य समग्र
LS NEWS
वर्ष : 03 अंक : 67 प्रयागराज, शुक्रवार 06 जून 2025 पृष्ठ : 08 मूल्य : 2.00 रूपया

पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

लक्ष्य समग्र/संवाददाता

प्रयागराज - उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई।पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन)से शुरू होकर सरस्वती परिसर(शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई।रैली में विश्वविद्यलय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर एस कुमार,प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी,प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रोफेसर श्रुति,समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे।रैली में सभी नेह्यह्यप्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओह्यह्य अपना परिसर साफ हो,जिसमें सबका साथ होह्यआदि स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया।इस अवसर पर सभी ने शपथ ली कि हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस-पास भी साफ-सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे।कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है।जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा।हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए।आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें।कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया।अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।जनसंपर्क अधिकारी डॉ प्रभात चन्द्र मिश्र ने बताया कि इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह-जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी,जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत उपलब्ध करायी जा सके।रैली में उपस्थित सदस्यों ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और साफ-सफाई की।सदस्यों ने परिसर में पेड़-पौधों से गिरी हुई पत्तियों को साफ किया तथा आंधियों से उड़कर परिसर में आयी हुई प्लास्टिक आदि की थैलियों को उठाकर कूड़ेदान में डाला।

मुक्त चिन्तन

News Letter

उ0प्र0 राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत अधि नियम संख्या 10, 1999 द्वारा स्थापित

मुक्त चिन्तन

05 जून, 2025

पर्यावरण दिवस पर मुक्त विश्वविद्यालय ने निकाली रैली, पक्षियों को खिलाए दाने

उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज में विश्व पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण जागरूकता रैली निकाली गई तथा पशु पक्षियों हेतु दाने पानी की व्यवस्था की गई। पर्यावरण रैली विश्वविद्यालय के गंगा परिसर (प्रशासनिक भवन) से शुरू होकर सरस्वती परिसर (शैक्षणिक भवन) तक निकाली गई। रैली में विश्वविद्यलय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, प्रोफेसर सन्तोषा कुमार, प्रोफेसर सत्यपाल तिवारी, प्रोफेसर पी के स्टालिन, प्रो0 रुचि बाजपेयी, प्रोफेसर श्रुति, प्रोफेसर संजय कुमार सिंह, समस्त प्राध्यापकगण, कर्मचारीगण तथा शोध छात्र उपस्थित रहे। रैली में सभी ने "प्लास्टिक हटाओ जीवन बचाओ", "अपना परिसर साफ हो जिसमें सबका साथ हो" जैसे स्लोगन के साथ प्रतिभाग किया। इस अवसर पर सभी ने शपथ ली की हम जिस तरह से अपने घरों को स्वच्छ रखते है उसी प्रकार हम अपने आस–पास भी साफ–सफाई रखेंगे तथा लोगों को भी इस हेतु प्रेरित करेंगे। उक्त कार्यक्रम की समन्वयक प्रोफेसर आशुतोष गुप्ता, निदेशक, विज्ञान विद्याशाखा, संयोजक प्रोफेसर श्रुति, प्रभारी निदेशक, कृषि विज्ञान विद्याशाखा एवं प्रभारी महिला अध्ययन एवं विस्तारित गतिविधि केन्द्र, आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह, विज्ञान विद्याशाखा तथा सह आयोजन सचिव डॉ प्रमोद कुमार सिंह, कृषि विज्ञान विद्याशाखा रहे।

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं कुलसचिव कर्नल विनय कुमार को पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत करती हुई प्रो0 श्रुति तथा डॉ0 धर्मवीर सिंह

कार्यक्रम संयोजक प्रोफेसर श्रुति ने कहा कि पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है। जब पर्यावरण संरक्षित एवं स्वस्थ रहेगा तभी हमारा जीवन सफल एवं सुगम होगा। हमें पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देना चाहिए। प्रो0 श्रुति ने बताया कि पर्यावरण रक्षा के तीन प्रमुख उपाय हैं– 3R (Reduce, Reuse, Recycle), जैव विविधता संरक्षण तथा अक्षय ऊर्जा (सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल ऊर्जा) (Renewable Energy) का उपयोग।

आयोजन सचिव डॉ धर्मवीर सिंह ने कहा कि पर्यावरण दिवस दुनिया के 150 से अधिक देशों में इसलिए मनाया जाता है कि हम सभी सामाजिक रूप से मिलकर पर्यावरण को सुरक्षित एवं संरक्षित करें।

विश्वविद्यालय के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने कार्यक्रम में की जाने वाली गतिविधियों से सभी को अवगत कराते हुए बताया कि इसके अन्तर्गत वृक्षारोपण, जागरुकता रैली (प्रशासनिक भवन से शैक्षणिक भवन तक), पक्षियों एवं जीव जन्तु हेतु दाना–पानी एवं स्वच्छता अभियान का आयोजन किया जायेगा। जिसमें विश्वविद्यालय के सभी प्राध्यापक, कर्मचारीगण एवं शोधार्थी प्रतिभाग करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. संतोषा कुमार, निदेशक, समाज विज्ञान विद्याशाखा ने विश्व पर्यावरण के इतिहास के बारे में बताते हुए कहा कि प्रथम विश्व पर्यावरण दिवस 05 जून 1973 को "केवल एक पृथ्वी" थीम के साथ मनाया गया। विश्व पर्यावरण दिवस हेतु संयुक्त राष्ट्र महासभा ने मानव पर्यावरण पर स्टॉक होम सम्मेलन के दौरान 05 जून 1972 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाने का प्रस्ताव पारित किया था। जिसके बाद से यह प्रतिवर्ष 05 जून को मनाया जाता है।

इस पुनीत अवसर पर कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम की प्रेरणा से पक्षियों एवं जीव जन्तुओं के भोजन हेतु परिसर में जगह–जगह पात्रों में दाने तथा पीने हेतु शीतल जल की व्यवस्था की गयी, जिससे पक्षियों को आसानी से भोजन एवं पानी उपलब्ध हो सके तथा उन्हें इस भीषण गर्मी से राहत उपलब्ध करायी जा सके। रैली में उपस्थित सदस्यों ने परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया और साफ–सफाई की। सदस्यों ने परिसर में पेड़–पौधों से गिरी हुई पत्तियों को साफ किया तथा आंधियों से उड़कर परिसर में आयी हुई प्लास्टिक आदि की थैलियों को उठाकर कूड़ेदान में डाला। कार्यक्रम के सह आयोजन सचिव डॉ. प्रमोद कुमार सिंह ने पर्यावरण की थीम के बारे में बताया। अंत में डॉ. अरविन्द कुमार मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

पक्षी–जीव जंतुओं हेतु दाना पानी रखते हुए प्रो0 सन्तोषा कुमार एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

जागरूकता रैली निकालते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

पक्षी–जीव जंतुओं हेतु दाना पानी रखते हुए तथा सफाई करते हुए प्रो० सन्तोष कुमार एवं विश्वविद्यालय परिवार के सदस्यगण

उपस्थिति पत्रक

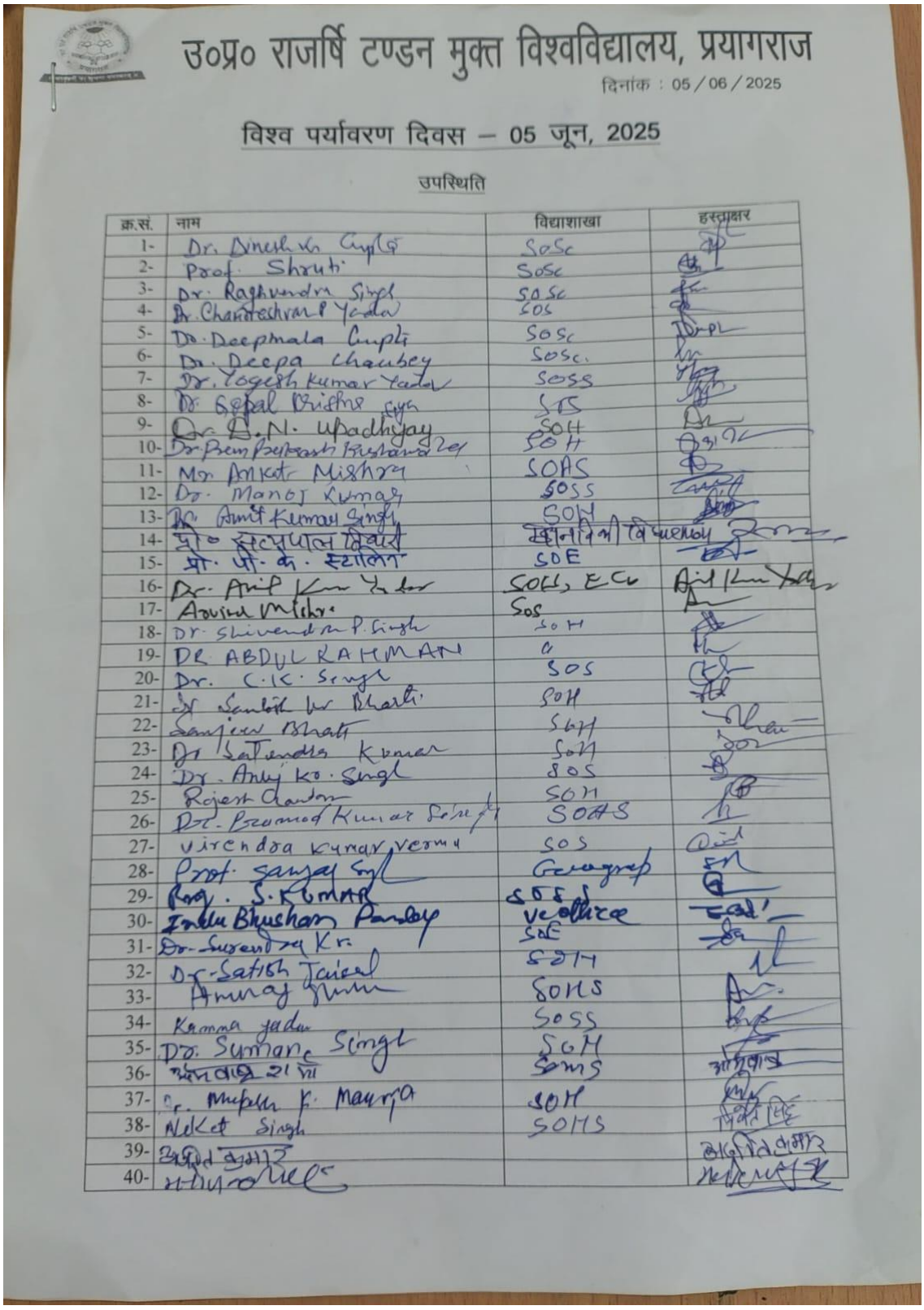

उ०प्र० राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

दिनांक : 05 / 06 / 2025

विश्व पर्यावरण दिवस – 05 जून, 2025

उपस्थिति

क्र.सं.	नाम	विद्याशाखा	हस्ताक्षर
1-	Dr. Dinesh Kr. Gupta	SoSc	[illegible]
2-	Prof. Shruti	SoSc	[illegible]
3-	Dr. Raghvendra Singh	SoSc	[illegible]
4-	Dr. Chandeshwar Yadav	SOS	[illegible]
5-	Dr. Deepmala Gupta	SoSc	[illegible]
6-	Dr. Deepa Chaubey	SoSc.	[illegible]
7-	Dr. Yogesh Kumar Yadav	SOSS	[illegible]
8-	Dr. Gopal Krishna Gupta	SOS	[illegible]
9-	Dr. B. N. Upadhyay	SOH	[illegible]
10-	Dr. Prem Prakash Rastogi	SOH	[illegible]
11-	Mr. Ankit Mishra	SOAS	[illegible]
12-	Dr. Manoj Kumar	SOSS	[illegible]
13-	Dr. Amit Kumar Singh	SOH	[illegible]
14-	प्रो० सत्यपाल तिवारी	[illegible]	[illegible]
15-	प्रो. पी. के. स्टालिन	SOE	[illegible]
16-	Dr. Anil Kumar Yadav	SOH, ECU	Anil Kumar Yadav
17-	Arvind Mishra	Sos	[illegible]
18-	Dr. Shivendra P. Singh	SOH	[illegible]
19-	DR ABDUL RAHMAN	"	[illegible]
20-	Dr. C. K. Singh	SOS	[illegible]
21-	Dr. Santosh Kr. Bharti	SOH	[illegible]
22-	Sanjeev Bhatt	SOH	[illegible]
23-	Dr. Satendra Kumar	SOH	[illegible]
24-	Dr. Anuj Kr. Singh	SOS	[illegible]
25-	Rajesh Gautam	SOH	[illegible]
26-	Dr. Pramod Kumar Singh	SOHS	[illegible]
27-	Virendra Kumar Verma	SOS	[illegible]
28-	Prof. Sanjay Singh	Geography	[illegible]
29-	Prof. S. Kumar	SOSS	[illegible]
30-	Indu Bhushan Pandey	VC office	[illegible]
31-	Dr. Surendra Kr.	SOE	[illegible]
32-	Dr. Satish Jaiswal	SOH	[illegible]
33-	Anuraj Gupta	SOHS	[illegible]
34-	Karuna Yadav	SOSS	[illegible]
35-	Dr. Suman Singh	SOH	[illegible]
36-	[illegible]	SOMS	आशुतोष
37-	Dr. Mukesh K. Maurya	SOH	[illegible]
38-	Niket Singh	SOHS	निकेत सिंह
39-	अमित कुमार		अमित कुमार
40-	[illegible]		[illegible]

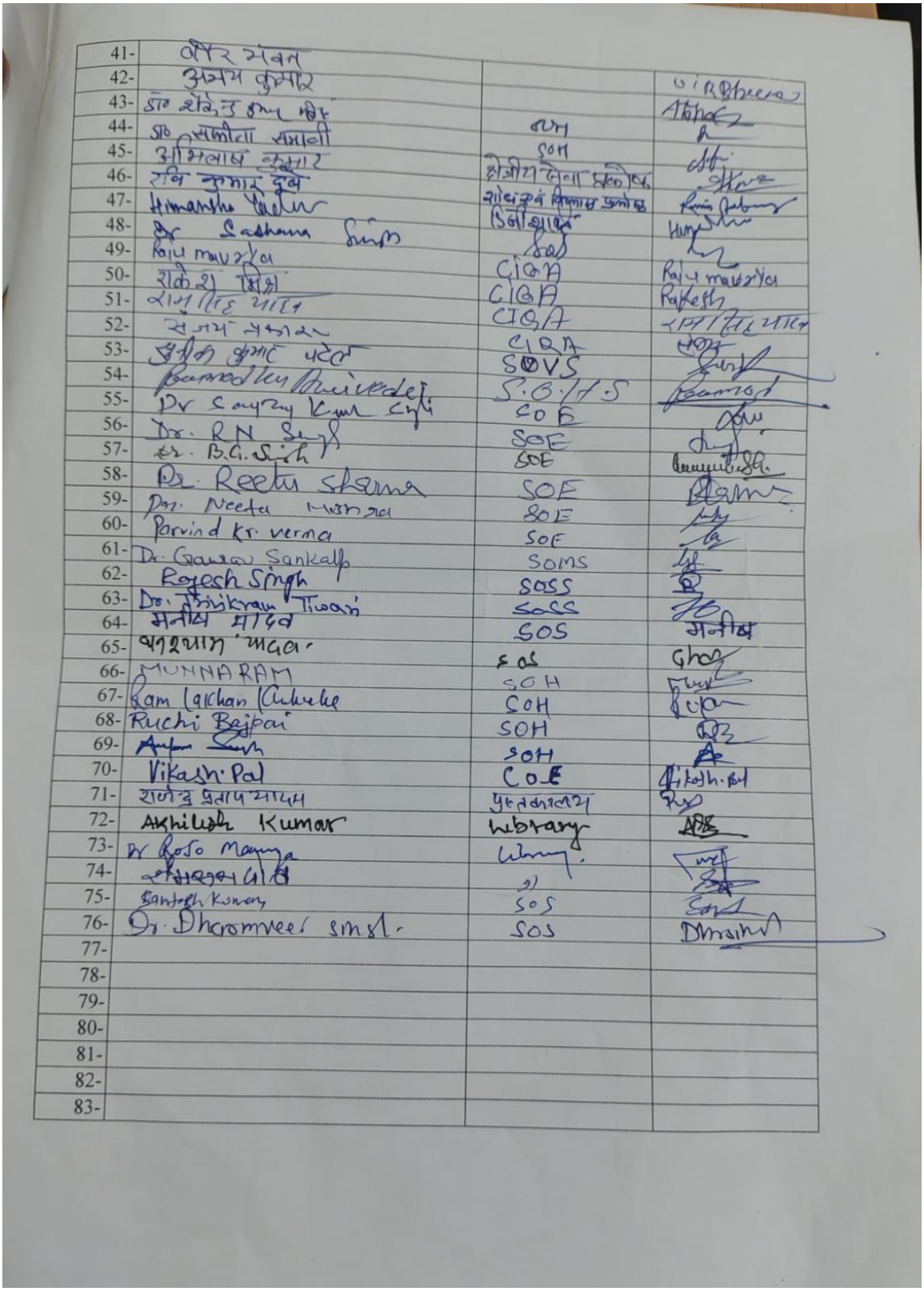

41-	वीर भवन		
42-	अजय कुमार		VirBhavan
43-	डा० शैलेन्द्र कुमार मौर्य		[illegible]
44-	डा० सलीता समानी	SOH	[illegible]
45-	अभिलाष कुमार	SOH	[illegible]
46-	रवि कुमार दुबे	क्षेत्रीय सेवा प्रकोष्ठ	[illegible]
47-	Himanshu Yadav	शोध एवं विकास प्रकोष्ठ	[illegible]
48-	Dr Sadhana Singh	शिक्षाशास्त्र	[illegible]
49-	Raju maurya	SOS	[illegible]
50-	राकेश मिश्र	CIGA	Raju maurya
51-	रामसिंह यादव	CIGA	Rakesh
52-	संजय श्रीवास्तव	CIGA	रामसिंह यादव
53-	सुनील कुमार पटेल	CIQA	[illegible]
54-	Pramod Kr Dwivedi	SOVS	[illegible]
55-	Dr Sanjay Kumar Singh	S.O.H.S	Pramod
56-	Dr. RN Singh	SOE	[illegible]
57-	Er. B.G. Singh	SOE	[illegible]
58-	Dr. Reetu Sharma	SOE	[illegible]
59-	Dr. Neeta Mishra	SOE	[illegible]
60-	Parvind Kr. verma	SOE	[illegible]
61-	Dr. Gaurav Sankalp	SOMS	[illegible]
62-	Rajesh Singh	SOSS	[illegible]
63-	Dr. Trivikram Tiwari	SOSS	[illegible]
64-	मनीष यादव	SOS	मनीष
65-	घनश्याम यादव	SOS	Ghan
66-	MUNNARAM	SOH	[illegible]
67-	Ram Lakhan Chaurasia	SOH	[illegible]
68-	Ruchi Bajpai	SOH	[illegible]
69-	Anupam Singh	SOH	[illegible]
70-	Vikash Pal	CoE	Vikash Pal
71-	राजेन्द्र प्रताप यादव	पुस्तकालय	[illegible]
72-	Akhilesh Kumar	Library	[illegible]
73-	Dr Roso Maurya	Library	[illegible]
74-	[illegible] पाल	SOS	[illegible]
75-	Santosh Kumar	SOS	[illegible]
76-	Dr. Dharmveer Singh	SOS	Dharmveer
77-			
78-			
79-			
80-			
81-			
82-			
83-			

विश्वविद्यालय द्वारा निर्गत सूचना पत्र

उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज

संख्या : ओ.यू./ 412 /2025 दिनाँक : 04-06-2025

सूचना

एतद्द्वारा विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/अधिकारियों/प्रभारियों/प्राध्यापकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों को सूचित किया जाता है कि **विश्व पर्यावरण दिवस** के अवसर पर पर्यावरण के संरक्षण एवं जागरूकता हेतु इस वर्ष के वैश्विक विषय **"Ending Plastic Pollution Globally"** के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के **विज्ञान विद्या शाखा** एवं **कृषि विज्ञान विद्याशाखा** के संयुक्त तत्वावधान में **दिनाँक 05 जून, 2025 को पूर्वाह्न 10.00 बजे विश्वविद्यालय के गंगा परिसर** में एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित हुआ है। इस अवसर पर वृक्षारोपण, पक्षी–जीव जन्तुओं हेतु दाना–पानी की व्यवस्था एवं जागरूकता रैली (गंगा परिसर से सरस्वती परिसर तक) का आयोजन किया जायेगा।

उक्त कार्यक्रम की समन्वयक **प्रो. श्रुति,** प्रभारी, कृषि विज्ञान विद्याशाखा, आयोजन सचिव **डॉ. धर्मवीर सिंह** तथा सह–आयोजन सचिव **डॉ. प्रमोद कुमार सिंह** होगें।

कृपया तद्नुसार उक्त जागरूकता कार्यक्रम में प्रतिभाग करने का कष्ट करें।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

पृ.संख्या : ओ.यू./412(1)/2025 तद्दिनाँक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. विश्वविद्यालय के समस्त निदेशकों/अधिकारियों/प्रभारियों को इस आशय से प्रेषित कि कृपया उक्त कार्यक्रम के संदर्भ में अपने विद्याशाखा/विभाग/अनुभाग से सम्बन्धित प्राध्यापकों/परामर्शदाताओं/कर्मचारियों को अपने स्तर से सूचित करने का कष्ट करें।
2. वित्त अधिकारी, उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज।
3. कुलपति जी के निजी सचिव को माननीय कुलपति जी के सादर सूचनार्थ।

(विनय कुमार)
कुलसचिव

कार्यक्रम की कुल झलकियाँ

"विश्व पर्यावरण दिवस"
पर जागरूकता रैली
5 जून, 2025
("प्लास्टिक प्रदूषण का अंत")
अटल स्मृति द्वार

Korsand, Uttar Pradesh, India
Gvq3+55w, Korsand, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.537672° Long 81.853202°
05/06/2025 10:28 AM GMT +05:30
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
81/977, Phaphamau, Uttar Pradesh 211021, India
Lat 25.538319° Long 81.852159°
05/06/2025 10:34 AM GMT +05:30
Korsand, Uttar Pradesh, India
Gvq3+55w, Korsand, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.537672° Long 81.853202°
05/06/2025 10:28 AM GMT +05:30
उ.प्र. राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज
"विश्व पर्यावरण दिवस"
पर जागरूकता रैली
5 जून, 2025
("वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण का अंत")
("Ending Plastic Pollution Globally")
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
81/977, Phaphamau, Uttar Pradesh 211021, India
Lat 25.538345° Long 81.852141°
05/06/2025 10:34 AM GMT +05:30
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
81/977, Phaphamau, Uttar Pradesh 211021, India
Lat 25.538319° Long 81.852159°
05/06/2025 10:34 AM GMT +05:30
Korsand, Uttar Pradesh, India
Gvq3+55w, Korsand, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.537672° Long 81.853202°
05/06/2025 10:28 AM GMT +05:30
Korsand, Uttar Pradesh, India
Gvq3+55w, Korsand, Uttar Pradesh 211013, India
Lat 25.537672° Long 81.853202°
05/06/2025 10:28 AM GMT +05:30

"विश्व पर्यावरण दिवस"
Korsand, Uttar Pradesh, India
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
Korsand, Uttar Pradesh, India
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
Korsand, Uttar Pradesh, India
Korsand, Uttar Pradesh, India
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
Phaphamau, Uttar Pradesh, India
Korsand, Uttar Pradesh, India